# कंटेनर की कमी

## प्रलिम्सि के लयि:

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, आर्थकि सुधार, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड

## मेन्स के लयि:

कंटेनर की कमी के कारण एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर प्रभाव

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में कंटेनर की व्यापक कमी का प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में बड़े पैमाने पर देखा गया।

## प्रमुख बिंदु

- **कमी का कारण:**
  - **शपिगि जहाज़ों की कम संख्या:**
    - कोवडि-19 महामारी के परणािमस्वरूप संचालति शपिगि जहाज़ों की संख्या में कमी के चलते खाली कंटेनरों को कम संख्या में उठाया गया।
  - **भीड़/जमाव:**
    - चीनी बंदरगाहों पर भीड़भाड़ के कारण अमेरिका जैसे प्रमुख बंदरगाहों पर लंबी प्रतीक्षा अवधि भी कंटेनरों के लयि टर्नअराउंड समय में वृद्धि करने में योगदान दे रही है।
- **वैश्वकि प्रभाव:**
  - एक सतत् वैश्वकि आर्थकि सुधार ने व्यापार को गति प्रदान की है। कंटेनरों की उपलब्धता में कमी और **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अपेक्षा से अधकि गति से रकिवरी** ने परविहन लागत दरों में काफी वृद्धि की है।
    - इससे **परविहन लागत दरों में 300% से अधकि की वृद्धि** हुई है।
- **भारत पर प्रभाव:**
  - भारतीय नरि्यातकों को अपने शपिमेंट में अधकि देरी का सामना करने के परणािमस्वरूप तरलता के मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उन्हें नरि्यात की गई वस्तुओं हेतु भुगतान प्राप्त करने के लयि लंबा इंतजार करना पड़ता है।
    - तरलता से तात्पर्य उस सहजता से है जसिके साथ कसिी परसिंपत्तिया सुरक्षा को उसके बाज़ार मूल्य को प्रभावति कयि बनिा तैयार नकदी में परवि्रतति कयिा जा सकता है।
  - भारत में जहाज़ों के लयि उच्च टर्नअराउंड समय जैसी संरचनात्मक समस्याएँ भी समस्या को बढ़ाती हैं।
- **सरकार द्वारा उठाए गए कदम:**
  - केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने अपने अधकिारयिों को नरि्यातकों के लयि कंटेनरों की उपलब्धता को आसान बनाने के उद्देश्य से लावारसि (Unclaimed) रखे गए कंटेनर्स, अस्पष्ट और ज़ब्त की गई वस्तुओं का शीघ्र नपिटान करने का नरि्देश दयिा है।

## आगे की राह

- सरकार खाली कंटेनरों के नरि्यात को नयिंत्रति कर सकती है। यह वत्तिीय वर्ष के अंत तक सभी नरि्यातों के लयि माल ढुलाई सहायता योजना को भी अधसिूचति कर सकती है, हालाँकि भारतीय नरि्यात संगठनों के संघ (Federation of IndianExport Organisations) के अनुरोध पर माल ढुलाई दरों के सामान्य होने की उम्मीद है।
- सरकार उच्च दरों पर प्राथमकिता के आधार पर बुकगि की पेशकश करने के लयि शपिगि लाइनों को एक कदम पीछे धकेल सकती है, यह कहते हुए कि शपिगि लाइनें पहले आओ पहले पाओ के आधार पर बुकगि कर सकती हैं।

स्रोत : इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/container-shortage-1